कक्षा 6 | हिंदी (मल्हार)

अध्याय 2 : गोल (मेजर ध्यानचंद का संस्मरण)

अभ्यास वर्कशीट – सेट 3

नाम: _____ दिनांक: _____

कक्षा/सेक्शन: _____

खंड (अ) – बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश: सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1. **बर्लिन ओलंपिक किस वर्ष आयोजित हुआ था और इसमें कितने देशों ने भाग लिया था?**
   (क) 1932 में, 40 देशों ने
   (ख) 1936 में, 49 देशों ने
   (ग) 1940 में, 50 देशों ने
   (घ) 1948 में, 59 देशों ने

2. **पाठ के अनुसार 'सूबेदार' पद के बारे में क्या बताया गया है?**
   (क) यह सबसे छोटा पद था
   (ख) स्वतंत्रता से पहले यह भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था
   (ग) यह केवल अंग्रेज़ों को मिलता था
   (घ) इसका हॉकी से कोई संबंध नहीं था

3. **'छावनी' शब्द का अर्थ क्या है?**
   (क) खेल का मैदान
   (ख) सैनिकों के रहने का क्षेत्र
   (ग) हॉकी स्टिक बनाने की जगह
   (घ) रेजिमेंट का नाम

4. **इस संस्मरण का शीर्षक क्या है?**
   (क) हॉकी का जादूगर
   (ख) गोल
   (ग) मेरा जीवन
   (घ) स्वर्ण पदक

5. **पाठ के अनुसार ध्यानचंद ने अपनी खेल भावना से क्या जीत लिया?**

CBSEClassWorksheets

(क) सारे पदक

(ख) दुनिया के खेल प्रेमियों का दिल

(ग) विरोधी टीम का सम्मान

(घ) अपनी रेजिमेंट का गौरव

6. **माइनर्स टीम का वह खिलाड़ी मैच के दौरान क्यों घबरा गया था?**

(क) क्योंकि रेफरी ने उसे चेतावनी दी

(ख) क्योंकि ध्यानचंद ने बदला लेने की बात कही थी

(ग) क्योंकि वह थक गया था

(घ) क्योंकि उसकी टीम हार रही थी

7. **यदि वह खिलाड़ी ध्यानचंद को हॉकी स्टिक न मारता, तो ध्यानचंद के अनुसार मैच का परिणाम क्या होता?**

(क) मैच बराबरी पर छूटता

(ख) वे दो गोल के अंतर से जीतते

(ग) वे मैच हार जाते

(घ) कोई फर्क न पड़ता

8. **इस संस्मरण के लेखक कौन हैं?**

(क) सुभाष चंद्र बोस

(ख) मेजर ध्यानचंद

(ग) मिल्खा सिंह

(घ) कोई अज्ञात लेखक

9. **ध्यानचंद को सेना में तरक्की किस आधार पर मिलती गई?**

(क) उनकी उम्र के साथ

(ख) जैसे-जैसे उनके खेल में निखार आया

(ग) उनके परिवार के प्रभाव से

(घ) संयोग से

10. **पाठ की शुरुआत में किस तरह की घटनाओं का ज़िक्र है जो खेल के मैदान में होती रहती हैं?**

(क) चोरी की घटनाएँ

(ख) धक्का-मुक्की और नोंक-झोंक की घटनाएँ

(ग) अदालत में झगड़े की घटनाएँ

(घ) कोई घटना नहीं होती

CBSEClassWorksheets

खंड (आ) – रिक्त स्थान भरें

निर्देश: नीचे दिए गए वाक्यों में उपयुक्त शब्द भरकर वाक्य पूरा कीजिए।

1. 'छावनी' का अर्थ है सैनिकों के _____ का क्षेत्र।
2. 'सूबेदार' स्वतंत्रता से पहले भारतीय सैन्य अधिकारियों का _____ सबसे बड़ा पद था।
3. बर्लिन ओलंपिक सन 1936 में जर्मनी के _____ शहर में आयोजित हुआ था।
4. बर्लिन ओलंपिक में _____ देशों ने भाग लिया था।
5. इस संस्मरण का शीर्षक _____ है।
6. खेल के मैदान में _____ और नोंक-झोंक की घटनाएँ होती रहती हैं।
7. उनकी छावनी में हॉकी खेलने का कोई _____ समय नहीं था।
8. ध्यानचंद के अनुसार बुरा काम करने वाला आदमी हर समय इस बात से _____ रहता है।
9. ध्यानचंद ने अपनी खेल भावना से दुनिया के खेल _____ का दिल जीत लिया।
10. ध्यानचंद ने कहा कि इसका यह मतलब नहीं कि सारे गोल _____ ही करता था।

खंड (इ) – सत्य/असत्य बताइए

निर्देश: निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' या 'असत्य' लिखिए।

1. मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहा जाता था। (_____)
2. बर्लिन ओलंपिक 1936 में 49 देशों ने भाग लिया था। (_____)
3. इस संस्मरण को पढ़कर पता चलता है कि ध्यानचंद को खेल से कोई खास प्यार नहीं था। (_____)
4. ध्यानचंद का परिवार शुरू से ही झाँसी में रहता था। (_____)
5. ध्यानचंद हमेशा गेंद को गोल के पास ले जाकर साथी खिलाड़ी को पास देने की कोशिश करते थे। (_____)
6. लेखक के अनुसार बुरा काम करने वाला व्यक्ति निडर होकर जीता है। (_____)
7. ध्यानचंद की सफलता का राज कोई गुप्त नुस्खा था जिसे उन्होंने कभी किसी को नहीं बताया। (_____)
8. 'गोल' शीर्षक पढ़कर पता चलता है कि लेखक को खेल से बहुत प्यार था।(_____)
9. ध्यानचंद की रेजिमेंट का हॉकी में कोई खास नाम नहीं था। (_____)

CBSEClassWorksheets

10.राष्ट्रीय खेल दिवस का उद्देश्य भारतवासियों को ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा देना है। (_____)

खंड (ई) – दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए

1. **इस पाठ का शीर्षक 'गोल' क्यों रखा गया होगा?**

2. **पाठ की शुरुआत में खेल के मैदान को लेकर क्या कहा गया है?**

3. **'बर्लिन ओलंपिक' के बारे में पाठ में क्या जानकारी दी गई है?**

4. **'छावनी' और 'पंजाब रेजिमेंट' शब्दों का क्या अर्थ है?**

5. **ध्यानचंद किस प्रकार अपने साथी खिलाड़ियों की मदद करते थे?**

6. **राष्ट्रीय खेल दिवस किसकी याद में मनाया जाता है?**

7. **'खेल रत्न' पुरस्कार किसके नाम पर दिया जाता है और क्यों?**

CBSEClassWorksheets

8. **लेखक के अनुसार जीत और हार किसकी होती है?**

---

9. **ध्यानचंद के खेल में सुधार के साथ उन्हें क्या लाभ मिला?**

---

10. **इस संस्मरण से हमें कौन-सी सीख मिलती है?**

खंड (उ) – संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए

निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 5-8 पंक्तियों में लिखिए।

1. **'गोल' शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करें।**

---

2. **ध्यानचंद के व्यक्तित्व की उन विशेषताओं का वर्णन करें जो इस पाठ से पता चलती हैं।**

---

3. **इस पाठ के आधार पर बताएं कि एक अच्छे खिलाड़ी में कौन-कौन से गुण होने चाहिए।**

CBSEClassWorksheets

4. **यदि आप ध्यानचंद की जगह होते, तो आप उस गुस्सैल खिलाड़ी के साथ कैसा व्यवहार करते? कारण सहित लिखें।**

5. **इस संस्मरण के आधार पर मेजर ध्यानचंद के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?**

खंड (ऊ) – किसने किससे कहा?

निर्देश: निम्नलिखित कथनों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **"तुम _____ मत करो, इसका बदला मैं जरूर लूंगा।" – रिक्त स्थान भरें और बताएं यह किसने किससे कहा।**

2. **"मैंने तो अपना _____ ले ही लिया है।" – रिक्त स्थान भरें और बताएं वक्ता तथा श्रोता कौन है।**

CBSEClassWorksheets

3. **"_____, साधना और खेल भावना ही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।" – रिक्त शब्द भरें और बताएं यह किसने कहा।**

4. **"हार या जीत मेरी नहीं, बल्कि _____ की है।" – रिक्त स्थान भरें और वक्ता बताएं।**

5. **"...कि उसे गोल करने का _____ मिल जाए।" – रिक्त शब्द भरें और बताएं यह कथन किसका है।**

खंड (ऋ) – संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए

निर्देश: निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर संदर्भ, प्रसंग और भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

1. **"16 साल की उम्र में मैं 'फर्स्ट ब्राह्मण रेजिमेंट' में सिपाही बन गया।" – संदर्भ सहित व्याख्या करें।**

2. **"वे बार-बार मुझे हॉकी खेलने के लिए कहते।" – संदर्भ सहित व्याख्या करें।**

CBSEClassWorksheets

3. **“सन 1936 में बर्लिन ओलंपिक में मुझे कप्तान बनाया गया।” – संदर्भ सहित व्याख्या करें।**

---

4. **“लोग मेरे खेल से प्रभावित होकर मुझे 'हॉकी का जादूगर' कहने लगे।” – संदर्भ सहित व्याख्या करें।**

---

5. **“बर्लिन ओलंपिक में हमें स्वर्ण पदक मिला।” – संदर्भ सहित व्याख्या करें।**

CBSEClassWorksheets

उत्तर कुंजी (Answer Key)

अभ्यास वर्कशीट – सेट 3

खंड (अ) के उत्तर

1. 1936 में, 49 देशों ने [विकल्प (ख)]
2. स्वतंत्रता से पहले यह भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था [विकल्प (ख)]
3. सैनिकों के रहने का क्षेत्र [विकल्प (ख)]
4. गोल [विकल्प (ख)]
5. दुनिया के खेल प्रेमियों का दिल [विकल्प (ख)]
6. क्योंकि ध्यानचंद ने बदला लेने की बात कही थी [विकल्प (ख)]
7. वे दो गोल के अंतर से जीतते [विकल्प (ख)]
8. मेजर ध्यानचंद [विकल्प (ख)]
9. जैसे-जैसे उनके खेल में निखार आया [विकल्प (ख)]
10. धक्का-मुक्की और नोंक-झोंक की घटनाएँ [विकल्प (ख)]

खंड (आ) के उत्तर

1. रहने
2. दूसरा
3. बर्लिन
4. 49
5. गोल
6. धक्का-मुक्की
7. निश्चित
8. डरता
9. प्रेमियों
10. मैं

खंड (इ) के उत्तर

1. सत्य

CBSEClassWorksheets

2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य
6. असत्य
7. असत्य
8. सत्य
9. असत्य
10. सत्य

खंड (ई) के उत्तर

1. इस पाठ का शीर्षक 'गोल' इसलिए रखा गया है क्योंकि यह संस्मरण एक प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन और गोल करने की कला से संबंधित है। यह नाम पाठक को तुरंत समझा देता है कि लेखक को खेल से कितना प्रेम था।
2. पाठ की शुरुआत में बताया गया है कि खेल के मैदान में धक्का-मुक्की और नोंक-झोंक की घटनाएँ होती रहती हैं, और खेल में यह सामान्य बात मानी जाती है।
3. पाठ के अनुसार बर्लिन ओलंपिक सन 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित हुआ था, जिसमें 49 देशों ने भाग लिया था।
4. 'छावनी' का अर्थ है सैनिकों के रहने का क्षेत्र, और 'पंजाब रेजिमेंट' स्वतंत्रता से पहले अंग्रेज़ों की भारतीय सेना का एक दल था।
5. ध्यानचंद गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने साथी खिलाड़ियों को पास दे देते थे, जिससे उन्हें गोल करने का श्रेय मिल सके।
6. राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन की याद में मनाया जाता है, ताकि लाखों भारतवासी उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें।
7. 'खेल रत्न' भारत का सर्वोच्च खेल पुरस्कार है, जो मेजर ध्यानचंद के नाम पर दिया जाता है क्योंकि वे भारत के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक माने जाते हैं।
8. लेखक के अनुसार खेल में जीत या हार किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम और पूरे देश की होती है।
9. जैसे-जैसे ध्यानचंद के खेल में सुधार आता गया, वैसे-वैसे सेना में उनकी पदोन्नति भी होती गई।

CBSEClassWorksheets

10. इस संस्मरण से हमें यह सीख मिलती है कि सच्ची सफलता मेहनत, संयम और सच्ची खेल भावना से मिलती है, और व्यक्तिगत श्रेय से ज़्यादा टीम और देश का सम्मान महत्वपूर्ण है।

खंड (उ) के उत्तर

1. 'गोल' शीर्षक इस संस्मरण के लिए बेहद उपयुक्त है क्योंकि यह सीधे तौर पर हॉकी खेल और लेखक मेजर ध्यानचंद के जीवन से जुड़ा है। पाठ में बताया गया है कि यदि कोई खिलाड़ी अपनी आत्मकथा का नाम 'गोल' रखे, तो इससे पाठक को तुरंत समझ आ जाता है कि उसे खेल से कितना प्रेम होगा। यह शीर्षक न केवल हॉकी के गोल को दर्शाता है, बल्कि लेखक के जीवन के लक्ष्य – यानी अपने खेल और देश के लिए समर्पण – को भी प्रतीकित करता है। इस प्रकार शीर्षक सरल होते हुए भी गहरे अर्थ रखता है।

2. इस पाठ से ध्यानचंद के व्यक्तित्व की कई विशेषताएँ सामने आती हैं। वे विनम्र थे, क्योंकि उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अकेले नहीं लिया। वे संयमी और क्षमाशील थे, जैसा कि उनके विरोधी खिलाड़ी के साथ व्यवहार से पता चलता है। वे टीम भावना से भरे हुए थे और साथी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते थे। साथ ही, वे देशभक्त थे, क्योंकि उनके लिए हार-जीत व्यक्तिगत नहीं बल्कि राष्ट्रीय सम्मान का विषय थी। ये सभी गुण उन्हें एक आदर्श खिलाड़ी और इंसान बनाते हैं।

3. इस पाठ के आधार पर एक अच्छे खिलाड़ी में निम्नलिखित गुण होने चाहिए – सबसे पहले, उसे लगन और निरंतर अभ्यास के साथ अपने खेल में सुधार लाना चाहिए। दूसरा, उसमें सच्ची खेल भावना होनी चाहिए, यानी जीत-हार को खेल की भावना से लेना चाहिए, क्रोध या हिंसा से नहीं। तीसरा, उसे व्यक्तिगत श्रेय से ज़्यादा टीम की सफलता को महत्व देना चाहिए। अंत में, उसे विनम्र और संयमी होना चाहिए, ताकि वह विरोधियों के प्रति भी सम्मान बनाए रख सके। मेजर ध्यानचंद इन सभी गुणों के सच्चे उदाहरण हैं।

4. यदि मैं ध्यानचंद की जगह होता, तो मैं भी संयम बरतता और हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं देता। मैं उस खिलाड़ी को समझाने की कोशिश करता कि खेल में गुस्सा दिखाना सही नहीं है। मैं अपने खेल-कौशल से अच्छा प्रदर्शन करके यह साबित करने की कोशिश करता कि मेहनत और संयम से ही असली जीत मिलती है। इसका कारण यह है कि हिंसा से समस्या और बढ़ती है, जबकि संयम और खेल भावना से सम्मान और सच्ची सफलता मिलती है, जैसा ध्यानचंद ने करके दिखाया।

5. मेजर ध्यानचंद के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि एक सामान्य परिवार से आने वाला व्यक्ति भी कठिन परिश्रम, लगन और सही खेल भावना से विश्व-प्रसिद्ध बन सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि क्रोध और हिंसा का जवाब संयम और कौशल से देना चाहिए, और व्यक्तिगत सफलता से ज़्यादा टीम तथा देश का सम्मान महत्वपूर्ण होता है। उनकी विनम्रता, अनुशासन और निःस्वार्थ भावना हमें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

CBSEClassWorksheets

खंड (ऊ) के उत्तर

1. रिक्त शब्द – 'चिंता'। यह बात मेजर ध्यानचंद ने उस खिलाड़ी से कही, जिसने उन्हें हॉकी स्टिक से मारा था।
2. रिक्त शब्द – 'बदला'। यह बात मेजर ध्यानचंद ने मैच के बाद उसी विरोधी खिलाड़ी से कही।
3. रिक्त शब्द – 'लगन'। यह बात मेजर ध्यानचंद ने उन लोगों से कही जो उनकी सफलता का राज जानना चाहते थे।
4. रिक्त शब्द – 'पूरे देश'। यह विचार मेजर ध्यानचंद का है, जो उन्होंने अपने पाठकों के साथ साझा किया।
5. रिक्त शब्द – 'श्रेय'। यह बात मेजर ध्यानचंद ने अपनी टीम भावना और साथी खिलाड़ियों के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में कही।

खंड (ऋ) के उत्तर

1. संदर्भ – यह पंक्ति मेजर ध्यानचंद के संस्मरण 'गोल' से ली गई है। प्रसंग – यह पंक्ति लेखक के प्रारंभिक जीवन का वर्णन करते समय आती है। भावार्थ – इससे पता चलता है कि ध्यानचंद ने बहुत छोटी उम्र में ही सेना में सेवा करना शुरू कर दिया था, और उस समय वे एक सामान्य सिपाही थे, न कि कोई प्रसिद्ध खिलाड़ी।
2. संदर्भ – यह पंक्ति 'गोल' संस्मरण से ली गई है। प्रसंग – यह पंक्ति सूबेदार मेजर तिवारी के संदर्भ में आती है, जो ध्यानचंद को हॉकी खेलने के लिए प्रोत्साहित करते थे। भावार्थ – इससे पता चलता है कि किसी वरिष्ठ के निरंतर प्रोत्साहन से ही ध्यानचंद की हॉकी में रुचि जगी, जो आगे चलकर उनके जीवन का मुख्य लक्ष्य बन गई।
3. संदर्भ – यह पंक्ति मेजर ध्यानचंद के संस्मरण 'गोल' से है। प्रसंग – यह पंक्ति लेखक के करियर के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव का वर्णन करते समय आती है। भावार्थ – इससे पता चलता है कि कठिन परिश्रम और निरंतर सुधार के बल पर ध्यानचंद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिला।
4. संदर्भ – यह पंक्ति 'गोल' संस्मरण से ली गई है। प्रसंग – यह पंक्ति बर्लिन ओलंपिक में ध्यानचंद के असाधारण प्रदर्शन के बाद मिली प्रसिद्धि के संदर्भ में आती है। भावार्थ – इससे पता चलता है कि ध्यानचंद का खेल-कौशल इतना अद्भुत था कि उन्हें एक विशेष उपाधि से सम्मानित किया गया, जो आज भी उनके नाम के साथ जुड़ी है।
5. संदर्भ – यह पंक्ति मेजर ध्यानचंद के संस्मरण 'गोल' से ली गई है। प्रसंग – यह पंक्ति 1936 के बर्लिन ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की जीत के परिणाम के रूप में आती है। भावार्थ – इससे पता चलता है कि ध्यानचंद और उनकी टीम की कड़ी मेहनत और कौशल का परिणाम भारत के लिए स्वर्ण पदक के रूप में सामने आया, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय था।

CBSEClassWorksheets